सोला संतोषी पेरिया ज्ञान गैरू में रंगिया गुरु वंदना

सोला संतोषी पेरिया,
ज्ञान गैरू में रंगिया,
सुमता री चादर ओढ़ ने,
निर्मल भभुत लगाया,
बणिया वैरागी हरि नाम रा,
हरिगुण हरिगुण गाया,
सत्तगुरू मों पे मेहर करो,
गुरू म्हाने ज्ञान बताया रे हे हां।bd।

सिल लंगोटा पैरिया,
अमिया बावड़ी चङिया,
झरणो झोली घाल दी,
निर्गुण रोटी लाया,
बणिया वैरागी हरि नाम रा,
हरिगुण हरिगुण गाया,
सत्तगुरू मों पे मेहर करो,
गुरू म्हाने ज्ञान बताया रे हे हां।bd।

मन रा किना मणकला,
तन डोरा में पोया,
घट नें माला फेरता,
नाम निगे कर जोया,
बणिया वैरागी हरि नाम रा,
हरिगुण हरिगुण गाया,
सत्तगुरू मों पे मेहर करो,
गुरू म्हाने ज्ञान बताया रे हे हां।bd।

दया धर्म री मण्डली,
तीन पांच समझाया,
बगसो जी खाती बोलिया,
किण विध जोग कमाया,
बणिया वैरागी हरि नाम रा,
हरिगुण हरिगुण गाया,
सत्तगुरू मों पे मेहर करो,
गुरू म्हाने ज्ञान बताया रे हे हां।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सोला संतोषी पेरिया,
ज्ञान गैरू में रंगिया,
सुमता री चादर ओढ़ ने,
निर्मल भभुत लगाया,
बणिया वैरागी हरि नाम रा,
हरिगुण हरिगुण गाया,
सत्तगुरू मों पे मेहर करो,
गुरू म्हाने ज्ञान बताया रे हे हां।bd।

गायक – श्याम पालीवाल जी।
प्रेषक – प्रेम जांगिड़
9166636693

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com